इकाई 4

दर-किनार नामक चौथी इकाई में तीन पाठ हैं। पहला पाठ प्रसिद्ध समकालीन कवि एवं कहानीकार उदय प्रकाश की मार्मिक कहानी 'अपराध' है। यह आत्मकथात्मक शैली में रचित, दो भाइयों की कहानी है। छोटा भाई बचपन की एक घटना की याद करता है जहाँ अपाहिज मगर ज़िम्मेदार, स्नेही स्वभाववाले बड़े भाई को छोटे के झूठे होने की वजह से खूब मार खाना पड़ा। यह घटना छोटे भाई को अब भी सालती रहती है। अब सालों बाद छोटा भाई इस घटना का ज़िक्र बड़े भाई से करके उनसे क्षमा माँगना चाहता है, अपराध-बोध से मुक्त होना चाहता है। पर बड़े भाई को वह घटना बिलकुल याद नहीं है। वे उसे पूरी तरह भूल चुके हैं। अपराध-बोध से पीड़ित छोटे की मानसिकता का मर्मस्पर्शी चित्रण हुआ है। इस इकाई के दूसरे पाठ 'समय के साथ हम भी' के द्वारा अध्येता सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रयुक्त कुछ पारिभाषिक शब्दों का परिचय पाता है। इस ओर छात्रों की रुचि बढ़ाने में पाठ सक्षम है। अंतिम पाठ इक्कीसवीं सदी के सशक्त कवि पवन करण की बहुत छोटी, पर उरस्पर्शी कविता है। 'कहना नहीं आता' नाम की यह कविता भारतीय समाज के हाशिएकृत वर्ग का प्रतिनिधित्व करती है। समाज के शोषित-पीड़ित वर्ग के पास कहने को बहुत कुछ है। वे कहना चाहते भी हैं पर समाज के शक्तिशाली वर्ग उन्हें कहने नहीं देते। कविता हाशिए में रहने के लिए अभिशप्त लोगों के आक्रोश एवं प्रतिरोध का प्रतिनिधित्व करती है।

अपराध

मूल्य एवं मनोभाव : गलतियों पर पश्चाताप **समय : 10 घंटे**

आशय/धारणा	गतिविधियाँ एवं निर्धारण	अधिगम उपलब्धियाँ
• समकालीन कहानी में पात्रों के चरित्र चित्रण की विशेष भूमिका है। • कहानी के आशय की अभिव्यक्ति पत्र द्वारा संभव है। • स्वानुभव की अभिव्यक्ति संभव है।	▸ प्रवेश कार्य ▸ वाचन प्रक्रिया (स्वनिर्धारण) ▸ वाक्यों का चयन ▸ तालिका की पूर्ति (आपसी निर्धारण) ▸ बड़े भाई के चरित्र पर टिप्पणी लेखन। (अध्यापिका का निर्धारण) ▸ कहानी से पश्चाताप युक्त प्रसंगों का चयन (आपसी निर्धारण) ▸ पत्र की तैयारी (अध्यापिका का निर्धारण) ▸ स्वानुभव की प्रस्तुति (आपसी निर्धारण)	• समकालीन कहानी की अवधारणा पाकर कहानी के पात्रों के चरित्रों पर टिप्पणी लिखता है। • कहानी का विश्लेषण करके विभिन्न प्रसंगों का विधांतरण करता है।

समय के साथ हम भी...

मूल्य एवं मनोभाव : तकनीकी क्षेत्र में हिंदी भाषा के प्रति रुचि।

समय : 3 घंटे

आशय/धारणा	गतिविधियाँ एवं निर्धारण	अधिगम उपलब्धियाँ
• सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिंदी शब्दों का प्रयोग है।	▸ प्रवेश कार्य। ई-मेल विन्डों में प्रयुक्त हिंदी शब्दों का चयन। (आपसी निर्धारण) ▸ सही मिलान (अध्यापिका का निर्धारण)	▸ सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रयुक्त शब्दों का प्रयोग करता है।

कहना नहीं आता

मूल्य एवं मनोभाव : हाशिए पर रह गई जनता की आवाज़ सुनना।

समय : 6 घंटे

आशय/धारणा	गतिविधियाँ एवं निर्धारण	अधिगम उपलब्धियाँ
• इक्कीसवीं सदी की कविता की अपनी विशेषताएँ हैं। • संगोष्ठी में विभिन्न दृष्टिकोण से विषय की संपुष्टि संभव है।	▸ प्रवेश कार्य वाचन-प्रक्रिया (स्वनिर्धारण) ▸ विश्लेषणात्मक प्रश्नों के ज़रिए चर्चा। (अध्यापिका का निर्धारण) ▸ ई-मेल का वाचन एवं चर्चा (आपसी निर्धारण) ▸ आस्वादन-टिप्पणी की तैयारी (अध्यापिका का निर्धारण) ▸ वीडियो द्वारा कविता की प्रस्तुति संगोष्ठी (आपसी निर्धारण) ▸ आलेख (अध्यापिका का निर्धारण)	• कवि के विचारों का विश्लेषण करके कविता पर चर्चा करता है। • इक्कीसवीं सदी की कविताओं की विशेषताएँ पहचानकार आस्वादन टिप्पणी लिखता है। • संगोष्ठी में अपना मत प्रकट करता है और आलेख तैयार करता है।

अपराध

अधिगम उपलब्धियाँ

4.1 समकालीन कहानी की अवधारणा पाकर कहानी के पात्रों के चरित्र पर टिप्पणी लिखता है।

4.2 कहानी का विश्लेषण करके विभिन्न प्रसंगों का विधांतरण करता है।

4.3 अपनी गलतियों पर पश्चाताप करता है।

आशय/धारणा

- समकालीन कहानियों में पात्र के चरित्र-चित्रण की विशेष भूमिका है।
- कहानी के आशय की अभिव्यक्ति पत्र द्वारा संभव है।
- स्वानुभव की अभिव्यक्ति संभव है।

समय : 10 घंटे

सामग्री : भाईचारे से संबंधित वीडियो/चित्र (8)

प्रक्रिया /गतिविधियाँ

प्रवेश कार्य

- वीडियो/चित्र की प्रस्तुति।
- अध्यापिका ये प्रश्न पूछें-

  जैसे :

  - वीडियो/चित्र का दृश्य क्या है?
  - दृश्य के पात्र कौन-कौन हैं?
  - वे क्या कर रहे हैं?
  - इसपर आपका विचार क्या है?

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

ज़िंदगी में भाईचारे की महत्वपूर्ण भूमिका है। संसार में इसकी कमी हो रही है।

- अधिगम प्रक्रियाएँ सुचारू ढंग से चलाने के लिए 'अपराध' कहानी को चार भागों में बाँटें।

सूचनात्मक वाचन

- छात्र कहानी के पहले अंश (मेरा भाई मुझसे..... उन्होने मुझे कभी नहीं मारा) का वाचन करें और अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ निकालें।

(शब्दार्थों के चयन पर स्वनिर्धारण)

- अध्यापिका ये प्रश्न पूछें-

  जैसे : मैं सबसे छोटा था और अकेला था। क्यों?

  - 'मुझे अपने भाई से ईर्ष्या होती थी, क्यों?
  - भाई आकर मेरी मदद करते। कब?

(प्रतिक्रिया पर छात्रों का आपसी निर्धारण)

विश्लेषणात्मक वाचन

- दूसरे लड़के छोटे भाई को अपनी पाली में शामिल क्यों नहीं करते थे?
- जोड़ी और पालीवाली खेलों में बड़े भाई क्या करते थे?
- "अक्सर भाई मेरी वजह से ही हारते। फिर भी वे मुझसे कभी कुछ नहीं कहते थे" - क्यों?

(छात्रों की प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण)

- अनुवर्ती कार्य चलाएँ।

(सही वाक्यों के चयन पर आपसी निर्धारण)

सूचनात्मक वाचन

छात्र कहानी के दूसरे भाग (जो कुछ मैं बताने..... मैं वहाँ कहीं नहीं हूँ) का वाचन करें और अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ लें।

(शब्दार्थों के चयन पर स्वनिर्धारण)

- अध्यापिका ये प्रश्न पूछें -
  - यहाँ छोटा भाई किससे संबंधित घटना के बारे में बता रहा है?

- शाम की धूप की विशेषता क्या है?
- खड़ब्बल कैसे खेलता था?
- छोटे भाई में किसकी ताकत न थी?
- गुस्से और तनाव में और ज्यादा ताकत से वे खड़ब्बल फेंक रहे थे - कौन?

(प्रतिक्रिया पर आपसी निर्धारण)

विश्लेषणात्मक वाचन

- अध्यापिका प्रश्न पूछें -

जैसे : 'मुझे पहली बार यह लगा कि मैं वहाँ कहीं नहीं - क्यों?

(छात्रों की प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण)

सूचनात्मक वाचन

- छात्र तीसरे भाग का (मुझे रोना आ रहा था..... पिताजी मुझे ही मारने लगते। मैं डर रहा था) वाचन करें और अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ लें।

(शब्दार्थों के सही चयन पर स्वनिर्धारण)

- अध्यापिका प्रश्न पूछें-

जैसे :

- बड़े भाई के प्रति छोटे भाई के मन में कौन-सा भाव पैदा हुआ था?
- छोटा भाई किसकी आँच में झुलस रहा था?
- छोटे भाई के माथे पर कैसे चोट लगी?
- बड़े भाई तेज़ी से दौड़ नहीं पा रहा था, क्यों?
- घर पहुँचकर छोटे भाई ने माँ से क्या कहा?

(छात्रों की प्रतिक्रिया पर आपसी निर्धारण)

विश्लेषणात्मक वाचन

- अध्यापिका प्रश्न पूछें -

जैसे :

- बड़े भाई के प्रति छोटे भाई के मन में प्रतिकार की भावना क्यों उत्पन्न हुई?

- बड़े भाई की आँखों में करुणा और कातरता थी - क्यों?

(प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण)

सूचनात्मक वाचन

- छात्र कहानी के चौथे अंश (यह घटना वर्षों पुरानी है..... क्योंकि इससे मुक्ति अब असंभव हो चुकी है) का वाचन करें और अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ें।

(शब्दार्थों के सही चयन पर स्वनिर्धारण)

- अध्यापिका प्रश्न पूछें -

जैसे :

- छोटे भाई के मन में जब बचपन की उस घटना की स्मृतियाँ आती हैं तब उसे कैसा अनुभव होने लगता है?
- वे इस घटना को पूरी तरह भूल चुके हैं - कौन?

(प्रतिक्रिया पर आपसी निर्धारण)

विश्लेषणात्मक वाचन

जैसे : अध्यापिका प्रश्न पूछें -

- छोटे भाई ने अपने अपराध के लिए क्षमा माँगनी चाही, लेकिन असफल रहा - क्यों?
- अब यह निर्णय बदला नहीं जा सकता - क्यों?

(छात्रों की प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण)

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

छोटे भाई के झूठ का दंड बड़े भाई को भोगना पड़ा। लेकिन बड़ा भाई यह घटना बिलकुल भूल चुके थे। उस समय झूठ बोलने का जो निर्णय लिया था वह गलत और अन्यायपूर्ण था। लेकिन वह निर्णय बदलना अब संभव नहीं।

- अनुवर्ती कार्य 2 चलाएं।
- चरित्रगत विशेषताओं के आधार पर तालिका भरें।

(चरित्रगत विशेषताओं के सही चयन पर छात्र द्वारा स्वनिर्धारण)

- अनुवर्ती कार्य 3 चलाएँ।

(निम्नलिखित सूचकों के आधार पर बड़े भाई के चरित्रगत विशेषताओं को विस्तार दें।)

(सूचकों के आधार पर टिप्पणी का स्वनिर्धारण)

- चरित्र की विशेषता समझी है।
- विशेषताओं के आधार पर टिप्पणी लिखी है।
- चरित्र की विशेषताओं का समर्थन अपने दृष्टिकोण से किया है।

- अनुवर्ती कार्य 4 चलाएँ।

(पन्ना संख्या 87 के सूचकों के आधार पर पत्र का स्वनिर्धारण)

टीचर वेर्शन

उदयपुर

18-02-2015

बड़े भैया,

आपको और भाभी को प्रणाम। बच्चे कुशल से हैं न? सबको देखने के लिए आँखें तरसती हैं। सोचता हूँ होली के अवसर वहाँ आ जाऊँ। गाँव में क्या खबर है?

भैया, कुछ दिनों से मैं परेशान हूँ। मालूम नहीं, आपको कैसे समझाऊँ? बचपन की सारी घटनाएँ हमारी याद में नहीं रहतीं। पर दिल को धक्का देनेवाली बात वर्षों बाद भी यादों में रहती है। क्या उस दिन की बात याद है, आप खड़ब्बल खेल रहे थे, मैं अकेले वहाँ खड़ा था। आपकी नज़र मुझपर न रहने के कारण मैं ईर्ष्या और उपेक्षा से झुलस रहा था। अचानक मेरा खड़ब्बल किसी चट्टान से टकराकर सीधे माथे पर आकर लगा। खून बहने लगा तो मैं रोते हुए घर गया। माँ से कहा कि भाई ने खड़ब्बल से मारा है। पिताजी ने आपको खूब पीटा, फिर भी मैं सच न बोला। आपकी आँखें सच्चाई बताने को मुझसे याचना कर रही थीं। फिर भी मैं चुप रहा। आपके स्मृति-पटल पर इस घटना की याद तक शायद नहीं होगी। लेकिन भैया, सच कहता हूँ उस दिन के अपराध के लिए मैं अब भी विवश हूँ। क्षमा कीजिए। आपके सिवा और कौन मुझसे क्षमा कर सकता है? आपके जवाबी पत्र की प्रतीक्षा में...

आपका छोटा भाई।

- अनुवर्ती कार्य 5 चलाएँ।
- दो-एक छात्र द्वारा अपने बचपन के किसी अविस्मरणीय अनुभव की प्रस्तुति।

(प्रस्तुति पर छात्रों द्वारा आपसी निर्धारण)

समय के साथ हम भी...

अधिगम उपलब्धियाँ

4.4. सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रयुक्त शब्दों का प्रयोग करता है।

आशय / धारणा

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिंदी शब्दों का प्रयोग है।

समय : 3 घंटे

सामग्री : कंप्यूटर, वीडियो

गतिविधि / प्रक्रिया

प्रवेश कार्य

- राष्ट्र भाषा हिंदी संबंधी वीडियो की प्रस्तुति।
- अध्यापिका ये प्रश्न पूछें -
  - आपने वीडियो में क्या-क्या देखा ?
  - हिंदी का महत्व क्या है?
  - सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिंदी की संभावनाएँ क्या-क्या हैं?

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा एवं राजभाषा है। यह दुनिया की तीसरी बड़ी भाषा है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिंदी का प्रचार-प्रसार तेज़ रफ़्तार में है। भारत की दूसरी भाषाओं की अपेक्षा हिंदी भाषा में वेब साईटों, ब्लॉगों की संख्या अधिक है। दुनिया में सबसे अधिक चैनल हिंदी में है। हिंदी भाषा पर हम गर्व करें।

- पन्ना संख्या 89 और 90 की प्रक्रियाएँ चलाएँ।
- अनुवर्ती कार्य चलाएँ।
- छात्र शब्दार्थ (पन्ना संख्या 94) की सहायता से मिलान करके लिखें।

क	**ख**
1) Internet	संकेत
2) Programme	प्रारूप
3) Out put	अंतर्जाल
4) Symbol	प्रस्थान
5) Sign out	प्रक्रम
6) Format	बहिर्पात

(सही मिलान पर अध्यापिका का निर्धारण)

कहना नहीं आता

अधिगम उपलब्धियाँ

4.5 कवि के विचारों का विश्लेषण करके कविता पर चर्चा करता है।

4.6 इक्कीसवीं सदी की कविताओं की विशेषताएँ पहचानकर आस्वादन-टिप्पणी लिखता है।

4.7 संगोष्ठी में अपना मत प्रकट करता है और आलेख तैयार करता है।

4.8 हाशिए पर रह गई जनता ही आवाज़ सुनती है।

आशय / धारणा

- इक्कीसवीं सदी की कविता की अपनी विशेषताएँ हैं।
- संगोष्ठी में विभिन्न दृष्टिकोणों से विषय की संपुष्टि संभव है।

समय : 6 घंटे

सामग्री : वीडियो/चित्र (9)

गतिविधि / प्रक्रिया

प्रवेश कार्य

- हाशिएकृत लोगों से संबंधित चित्र/वीडियो प्रस्तुत करें।
- अध्यापिका प्रश्न पूछें -
  - यह किसका चित्र है?
  - चित्र में कौन-सा भाव है?
  - क्या हमारे समाज में ऐसे लोग हैं?
  - वे कौन-कौन हैं?

(छात्रों की प्रतिक्रिया पर आपसी निर्धारण)

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

समाज में ऐसे लोग भी हैं, जो मुख्यधारा के बाहर हैं मानव के रूप में जो अधिकार उनको इस दुनिया में मिलने हैं, वे उनको प्राप्त नहीं। पवन करण ऐसे लोगों का जिक्र करते हैं अपनी कविता में।

- दो-एक छात्र द्वारा कविता का सस्वर वाचन।
- छात्र कवि की ई-मेल (परिशिष्ट संख्या - 120) का वाचन करें और अपरिचित शब्दों का अर्थ दूँढ़ लें।
- सही अर्थ अध्यापिका बोर्ड पर लिखें।

(शब्दार्थों के चयन पर स्वनिर्धारण)

- अध्यापिका ये प्रश्न पूछें -
  - 'तुम्हें कहना नहीं आता'

- 'तुम्हें' किन-किन का प्रतिनिधित्व करते हैं?

- छात्र स्वतंत्र रूप से प्रतिक्रिया प्रस्तुत करें।

(प्रतिक्रिया पर आपसी निर्धारण)

  - 'पहले कहना सीखो, फिर अपनी बात कहना' - ऐसा कौन कह रहा है?

(छात्रों की प्रतिक्रिया पर आपसी निर्धारण))

  - 'मैं उनमें से एक हूँ' - 'मैं' किन-किनका प्रतिनिधि है?

- छात्रों की प्रतिक्रिया

(प्रतिक्रिया पर अध्यापिका का निर्धारण)

- कविता पर आस्वादन-टिप्पणी लेखन ।
- संगोष्ठी चलाएँ (अनुवर्ती कार्य पन्ना संख्या-93)

'कहना नहीं आता' हिंदी की युवापीढ़ी के प्रतिनिधि कवि पवन करण की कविता है। भारतीय समाज के हाशिए में पड़े लोगों के शब्द इस समकालीन कविता में सुनाई पड़ते हैं।

पीड़ित लोगों पर शोषक का आक्रोश है - 'तुम्हें कहना नहीं आता तो पहले कहना सीखो, फिर अपनी बात कहना। अर्थात् शोषक, पीड़ित लोगों का शब्द सुनना नहीं चाहते। वह पीड़ित को पीड़ित ही रखना चाहता है। जनसंख्या के बड़े हिस्सेवाले पीड़ितों के प्रति समानुभूति प्रकट करके कवि कहते हैं - जो लोग कुछ कहना चाहते है, जिनके पास कुछ कहने को है, मैं भी उनमें से एक हूँ।

कवि यहाँ हाशिए पर खड़ी जनता की असली आवाज़ बुलंद करते हैं। ये लोग अपनी ओर से अवश्य कुछ कहना चाहते हैं, पर उन्हें कहने का अवसर नहीं देते। कविता की भाषा अत्यंत सरल, प्रवाहमयी एवं साधारण जन की समझ की है। कविता प्रासंगिक है।

इकाई-निर्धारण

- कहानी का अंश पढ़ें और प्रश्नों के उत्तर लिखें।

मैंने भाई का चेहरा देखा। वे मेरी ओर देख रहे थे। उनकी आँखें लाल थीं और उनमें करुणा और कातरता थीं, जैसे वे मुझसे याचना कर रहे हों कि मैं सच बोल दूँ। लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। उन्हें सज़ा मिल चुकी थी। फिर इतनी जल्द बात को बिलकुल बदलना मुझे संभव भी नहीं लग रहा था। क्या पता, पिताजी फिर मुझे ही मारने लगते। मैं डर रहा था।

- यह किस कहानी का अंश है?
- बड़े भाई की आँखों में कौन-सा भाव था?
- छोटा भाई क्यों डर रहा था?
- उस दिन के छोटे भाई की डायरी लिखें। (50-75 शब्द)

- सही मिलान करें।

	क	ख
1)	Internet	खाता जोड़े
2)	Resource	संचिका
3)	Sign in	अंतर्जाल
4)	File	बहिर्पात
5)	Public	संसाधन
6)	Output	सार्वजनिक

चित्र - 8

चित्र - 9

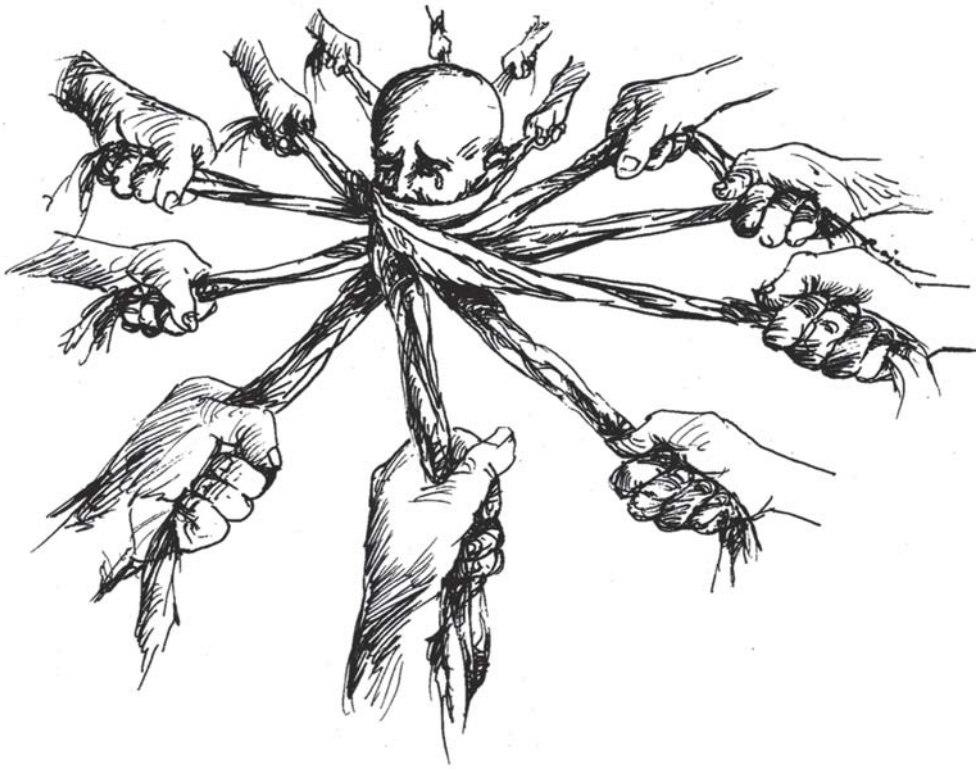

टीचर प्लानर

इकाई का नाम	:	चाँद-सितारे
पाठ का नाम	:	आपकी आवाज़
प्रत्याशित समय	:	10 घंटे
अधिगम उपलब्धियाँ	:	संपादकीय-लेखन पर चर्चा करके संपादकीय की विशेषताएँ प्रस्तुत करता है। समस्याओं पर प्रतिक्रिया प्रकट करते हुए संपादकीय लिखता है।
आशय/धारणा	:	समस्याओं पर प्रतिक्रिया प्रकट करने का सशक्त माध्यम है संपादकीय। संपादकीय-लेखन की निजी शैली होती है।
भाषाई तथ्य	:	
विधाएँ	:	संपादकीय, रपट
मूल्य एवं मनोभाव	:	सामाजिक समस्याओं पर प्रतिक्रिया करनी है
सामग्री	:	पर्यावरण प्रदूषण संबंधी वीडियो
प्रत्याशित उपज	:	संपादकीय

प्रक्रिया	निर्धारण
▸ प्रदूषण संबंधी वीडियो/ओडियो का प्रदर्शन एवं चर्चा ◆ यह वीडियो/ओडियो किससे संबंधित है? ◆ प्रदूषण के दोष क्या-क्या हैं? ◆ इस समस्या का समाधान क्या है? ◆ यहाँ समाचार पत्र की भूमिका क्या है? ◆ ऐसी समस्याओं के समाधान के लिए समाचार पत्र क्या-क्या कर सकते हैं?	

संक्षिप्तीकरण-

सामाजिक समस्याओं पर हस्तक्षेप करना और उनके सुधार की कोशिश करना समाचार पत्रों का दायित्व है। समाचार पत्र की आवाज़ संपादकीय में प्रकट होती है। किसी विषय पर संपादक एवं समाचार पत्र का दृष्टिकोण संपादकीय द्वारा स्पष्ट होता है।

- अपरिचित शब्दों का अर्थ ढूँढ़ने का निर्देश दें।
- दो-चार छात्र शब्दार्थ प्रस्तुत करें।
- चयन पर स्वनिर्धारण का अवसर भी दें।
- पूछें
  - क्या हिंदी के किसी समाचार पत्र से आप परिचित हैं?
  - किस समाचार पत्र का संपादकीय यहाँ दिया गया है?
  - इसमें किन-किन बीमारियों के बढ़ने की चिंता प्रकट की है?
  - बीमारियों का फैलना किस बात का प्रमाण है?
  - बीमारियाँ कैसे जन्म लेती हैं?
  - मलेरिया का फैलना किसकी लापरवाही की ओर संकेत करनेवाला है?
  - हालत बिगड़ने का क्या कारण है?
  - मलेरिया और डेंगु की बीमारियाँ कैसे जन्म लेती हैं?
  - इसे रोकने के लिए सरकार के साथ किन-किन को सहयोग देना पड़ेगा?
  - संपादकीय के लिए कौन-सा शीर्षक दिया गया है?

- छात्रों का उत्तर बोर्ड पर लिखें ।
- छात्रों की प्रतिक्रिया पर निर्धारण भी करें।
- संपादकीय लेखन-प्रक्रिया के बारे में चर्चा।

चर्चा बिंदु

- विषय के ज़रूरी तथ्य
- प्रस्तुति का ढांचा
- समर्थन का तरीका
- संपादकीय भाषा
- शीर्षक

- सहायक संकेत के लिए पन्ना 110-111 देखने का निर्देश दें।

चर्चा में छात्रों की भागीदारी पर आपसी निर्धारण करने का निर्देश दें। साथ ही अध्यापिका का भी निर्धारण।

अध्यापिका का संक्षिप्तीकरण

संपादकीय समाचार पत्र या किसी पत्रिका का अभिमत प्रकट करनेवाला है। समस्या से संबंधित आवश्यक जानकारी इकट्ठा करना संपादकीय के लिए आवश्यक है। समस्या प्रधान बातों में संक्षिप्तता होनी चाहिए। समस्या तर्कयोग्य एवं समाधान युक्त होनी है। भाषा रोचक एवं प्रभावशाली होनी है। इसका शीर्षक विषयानुकूल एवं आकर्षक हो।

- 'बढ़ती बीमारियाँ' - विश्लेषणात्मक वाचन के लिए ये प्रश्न पूछें।
  - संपादकीय में किस समस्या की चर्चा हुई है?
  - समस्या की प्रस्तुति के लिए कौन-कौन-सी जानकारी प्राप्त करके अभिव्यक्त की है?

- अपना मत साबित करने के लिए कौन-कौन-से तर्क प्रस्तुत किए हैं?
- संपादकीय की भाषा-शैली कैसी है?

▸ छात्रों का उत्तर बोर्ड पर लिखती है।

▸ छात्रों की प्रतिक्रिया पर निर्धारण भी करें।

◆ छात्रों से रपट का वाचन करवाएँ।

▸ प्रश्न पूछें -

- रपट में कौन-सा विषय प्रस्तुत किया है?

▸ प्रतिक्रिया का अवसर दें।

◆ रपट के लिए एक नया शीर्षक लिखें।

▸ दो-एक छात्र शीर्षक प्रस्तुत करें।

सूचकों के आधार पर शीर्षक का स्वनिर्धारण करें -

◆ पढ़ने को प्रेरित करता है।

◆ केंद्र आशय को उद्दीप्त करता है।

◆ भ्रमात्मकता से रहित है।

▸ जरूरत है तो सूचकों की व्याख्या भी दें।

▸ पन्ना - 45 के सूचकों की सहायता से 'बढ़ती सड़क दर्घटनाएँ' विषय पर संपादकीय लिखें । (ग्रूपकार्य)

▸ किसी एक ग्रूप के संपादकीय की प्रस्तुति

▸ संशोधन प्रक्रिया चलाएँ -

▸ आशयपरक संशोधन के लिए प्रश्न पूछें-

◆ समस्या के कारण सूचित किए हैं?

- समस्या-समाधान के लिए सुझाव दिए हैं?
- क्या संपादकीय में अनावश्यक विस्तार है?
- सरल एवं आकर्षक भाषा है?
- शीर्षक संपादकीय पढ़ने को प्रेरित करनेवाला है?

- संशोधन-प्रक्रिया के बाद छात्र संपादकीय का पुनर्लेखन करें।
- सूचकों के (पन्ना सं - 45) आधार पर संपादकीय का स्वनिर्धारण करने का निर्देश दें।

प्रतिबिंबात्मक सोच (Reflection)

- **मेरी खोज, मेरी पहचान**

(अधिगम गतिविधियों की निर्धारण प्रक्रियाओं के द्वारा अर्जित जानकारी के आधार पर)

-
-
-

- **अनुवर्ती एवं उपचारात्मक कार्य**

-
-
-